[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4139 **C**

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धान्त

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (SEC)**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य-तत्वों का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

'नाटक और रंगमंच परस्पर आश्रित हैं'। कथन की समीक्षा कीजिए।

2. नाटक के संदर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

P.T.O.

नाट्यानुभूति और रंगानुभूति पर प्रकाश डालिए।

3. नाटक के संदर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

पश्चिमी नाट्य भेदों के विभिन्न रूपों पर विचार कीजिए।

4. रूपक के विभिन्न भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (15)

अथवा

रंगकर्म के अंतर्गत नाटककार, निर्देशक और अभिनेता की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7.5 + 7.5 = 15)

(क) फार्स

(ख) नुक्कड़ नाटक

(ग) टेलीफिल्म

(घ) काव्य-नाटक